देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

प्रेस–विज्ञप्ति

इन्दौर 07 अगस्त 2019। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा **''स्वयम्''** प्लेटफार्म के माध्यम से मैसिव ओपन आनलाईन कोर्सेस (मूक्स) को प्रमुखतः शिक्षकों एवं विद्यार्थियों तथा आम जनमानस हेतु संचालित किया जा रहा है । इन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु आठ संस्थाओं को राष्ट्रीय समन्वयक बनाया गया है । गैर तकनीकी स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों हेतु सीईसी एवं यूजीसी राष्ट्रीय समन्वयक संस्थाएं है।

इस संदर्भ में 10 पाठ्यक्रमों का निर्माण ई.एम.आर.सी. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर द्वारा किया गया है। जो इस प्रकार हैं– फोटोग्राफी, फायनेशिंयल एकाउन्टिंग, कम्प्यूटर फंडामेंटल, कम्प्यूटर नेटवर्क, हिन्दी भाषा संरचना, जनपदीय भाषाएं एवं कौशल, हिन्दी काव्य एवं कथा साहित्य, पर्यावरण अध्ययन एवं लाईफ साईंस के 2 पाठ्यक्रम। '**मूक्स**' के समस्त पाठ्यक्रम '**स्वयम**' पोर्टल पर अपलोड किये जा चुके हैं जिनके लिये विद्यार्थियों द्वारा रजिस्ट्रेशन जारी है। इन पाठ्यक्रमों के अध्ययन हेतु पूरे देश से भारी संख्या में विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से अध्ययन हेतु इच्छुक विद्यार्थी व अन्य कोई भी '**स्वयम पोर्टल**' www.swayam.gov.in पर जाकर निशुल्क रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के पश्चात ही कोई भी इन पाठ्यक्रमों की उपलब्धता की सुविधा प्राप्त कर सकता है।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे 10 पाठ्यक्रम दिनांक 08 अगस्त 2019 से प्रारंभ हो रहे हैं। इच्छुक विद्यार्थी, शिक्षक एवं अन्य व्यक्ति '**मूक्स**' द्वारा उपलब्ध पाठ्यक्रमों के माध्यम से अध्ययन करने हेतु शीघ्र रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 30 अगस्त 2019 है। सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात प्रमाण–पत्र भी प्रदान किये जाएगें। **यहाँ उल्लेखनीय है कि 'मूक्स' के माध्यम द्वारा पाठ्यक्रम करने की प्रक्रिया पूर्णतः निशुल्क है।**

इन ऑनलाईन पाठ्यक्रमों के संबंध में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. रेणु जैऩ का कहना है ''हमारा विश्वविद्यालय इस राष्ट्रीय स्तर की परियोजना में शामिल होकर एक महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। यह पाठ्यक्रम हमारे विश्वविद्यालय व अन्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिये उपयोगी होंगे, ऐसा मेरा विश्वास है।''

ईएमआरसी के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह का विद्यार्थियों को संदेश है कि वे इन ऑनलाईन पाठ्यक्रमों में पंजीयन कराकर अधिक से अधिक इसका लाभ उठायें।

डॉ. चन्दन गुप्ता
मीडिया प्रभारी